

तुलसी। (हिंदी) हितू पुं. 1. आत्यमीय जन, संबंधी, रिश्तेदार 2. मित्र, हितैषी।

**हेतु<sup>1</sup>** पुं. (तत्.) 1. कारण, उद्देश्य, प्रयोजन, अभिप्राय उदा. 'दूसर हेत तात कछु नहीं (मानस 2/75/2) -तुलसी 2. उद्गम स्थल, उत्पत्ति स्थान 3. साधन/जरिया 4. तर्क 5. अंकुर, बीज 6. बीजमंत्र उदा. हेतु कृसानु भानु हिमकर को यहाँ 'राम' शब्द के 'र', 'आ' और 'म' अग्नि, सूर्य और चंद्रमा के बीजमंत्र हैं क्रि.वि. के कारण, के लिए, वास्ते उदा. 'लीन्ह भक्त हेतु अवतार' मानस, तुलसीदास न्याय. 1. वह तर्क जिसमें साध्य को सिद्ध करने की शक्ति हो, साधक तर्क 2. पाँच अवयवों वाले वाक्य-समूह का दूसरा अवयव काव्य. एक अर्थालंकार जो कार्य और कारण के अभेद वर्णन से होता है आयु. प्रथम रोग निदान पाँच निदानों में से प्रथम निदान जिससे रोग की उत्पत्ति के कारण का पता चलता है।

**हेतु<sup>2</sup>** पुं. (तत्.) प्रेम, स्नेह।

**हेतुक** पुं. (तत्.) (हेतु+क) कारण, प्रयोजन, उद्देश्य।

**हेतुकी स्त्री.** (तत्.) चिकि. रोग-उत्पत्ति-विज्ञान, रोगों के कारणों का अध्ययन हेतु विज्ञान, निदान शास्त्र। diagnostics

**हेतुता स्त्री.** (तत्.) हेतुपन, हेतु का भाव, कारण की विद्यमानता, हेतु का होना, हेतुत्व।

**हेतुत्प्रेक्षा स्त्री.** (तत्.) काव्य. उत्प्रेक्षा अलंकार का एक भेद, अहेतु को हेतु या अकारण को कारण मानकर की जाने वाली चमत्कारपूर्ण संभावना वाली उत्प्रेक्षा।

**हेतुभेद** पुं. (तत्.) ज्यो. ज्योतिष में ग्रह-युद्ध का एक भेद (बृहत्संहिता)।

**हेतुमद्वाक्य** पुं. (तत्.) तर्कयुक्त वाक्य या वचन।

**हेतुमान वि.** (तत्.) 1. जिसका कोई हेतु हो, सकारण, कारण युक्त, हेतु मूलक 2. तर्कयुक्त।

**हेतु वचन** पुं. (तत्.) किसी बात के कारण के संबंध में होने वाली बहस या विवाद।

**हेतुवाद** पुं. (तत्.) 1. तर्कवाद, तर्क वितर्क, हर विषय में तर्क या व्यर्थ का वाद-विवाद करना 2. नास्तिकता, हेतुवाद।

**हेतु विज्ञान** पुं. (तत्.) चिकि. हेतुकी, रोग उत्पत्ति विज्ञान, निदान शास्त्र, जिसमें रोग के कारणों का अध्ययन किया जाता है।

**हेतु विद्या स्त्री.** (तत्.) तर्कशास्त्र।

**हेतुशास्त्र** पुं. (तत्.) 1. तर्कशास्त्र 2. हेतु विज्ञान, हेतुकी।

**हेतु हेतुमत/हेतु हेतुमान** पुं. (तत्.) हेतु और हेतुमान, कारण और कार्य।

**हेतुहेतुमद्भाव** पुं. (तत्.) कार्य-कारण संबंध, कार्य-कारण का भाव व्या. क्रिया का एक भूतकालिक रूप जिससे यह ज्ञात होता है कि कार्य भूतकाल में होने वाला था परंतु हुआ नहीं जैसे- बादल आते तो वर्षा होती पर्या. इसे कारणात्मक अतीत, सामान्य संकेतार्थ, भूत संभावनार्थ, सामान्य भूत संभावनार्थ भी कहा गया है।

**हेत्वपहनुति स्त्री.** (तत्.) काव्य. अपहनुति अलंकार का एक भेद, उपमेय का निषेध और उसके स्थान पर उपमान का आरोप करने में हेतु की कल्पना करने पर होने वाला अलंकार।

**हेत्वाभास** पुं. (तत्.) न्याय. हेतु के समान प्रतीत होने वाला, परंतु जो वास्तव में हेतु न हो, वह तर्क जिसमें साध्य को सिद्ध करने की शक्ति न हो। fallacy

**हेबियस कार्पस पुं. (लैटिन)** विधि. बंदी प्रत्यक्षीकरण आदेश, किसी व्यक्ति को बंदी रखने की वैधता की परीक्षा करने के लिए उसे न्यायालय में उपस्थित करने की आज्ञा, बंदी उपस्थापन।

**हेमंत** पुं. (तत्.) 1. छह ऋतुओं में से एक ऋतु जो शरद और शिशिर ऋतुओं के बीच में आती है और इसके महीने मार्गशीर्ष और पौष हैं 2. जाड़े का मौसम, शीतकाल।

**हेमंती वि.** (तत्.) हेमंत का, हेमंत से संबंधित।